सामाजिक न्याय, वृद्धाश्रम और हॉस्टलों के सुधरेंगे हालात

20 मई से 'भवन सुधारो अभियान' होगा शुरू

ब्यूरो/नवज्योति, जयपुर

वर्तमान दौर में सामाजिक न्याय, वृद्धाश्रम और हॉस्टलों के हालात काफी खराब है, तो विभाग अब उनकी सुध लेना शुरू करेगी। इसके तहत हॉस्टल, वृद्धाश्रम, बाल-बालिका गृह सहित सामाजिक न्याय विभाग की बिल्डिंगों में सुधार किया जाएगा। इसके लिए सामाजिक न्याय व अधिकारिता विभाग 20 मई से 20 जून तक भवन सुधार अभियान चलाया जाएगा।

विभाग सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री डॉ. अरुण चतुर्वेदी के निर्देशानुसार विभागीय राजकीय भवनों के उचित रख-रखाव के लिए राज्य में महाराणा प्रताप जयन्ती 20 मई से 20 जून तक विभाग की ओर से 'भवन सुधारो अभियान' चलाया जाएगा। विभाग के निदेशक अम्बरीश कुमार ने बताया कि भवन सुधारो अभियान के दौरान जिला कार्यालय भवन, छात्रावास, आवासीय विद्यालय, मानसिक विमंदित गृह, किशोर गृह, सम्प्रेक्षण गृह, महिला सदन, नारी निकेतन, बालिका गृह, वृद्धाश्रम आदि भवनों में साफ-सफाई, उचित रखरखाव व टूट-फूट की मरम्मत करवाई जाएगी। उन्होंने बताया भवन सुधारो अभियान में साफ-सफाई, मरम्मत एवं रंग-रोगन करवाने के लिए प्रति विद्यार्थी प्रति माह 50 रुपए, प्राप्त राशि, छात्रावास मैस समिति बचत राशि, पूर्व में मरम्मत के लिए स्वीकृत राशि एवं जनप्रतिनिधियों एवं भामाशाहों से सहयोग लिया जा सकेगा।

तीन स्तर पर होगी समीक्षा

निदेशक ने बताया कि भवन सुधारो अभियान की नियमित तीन स्तर पर समीक्षा की जाएगी, जिला स्तरीय अधिकारी अपने अधीनस्थ समस्त कार्मिकों की 18 व 19 मई 2015 को बैठक लेकर अभियान के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश देंगे तथा साप्ताहिक रूप से निरीक्षण कर अभियान की समीक्षा करेंगे। इसी तरह निदेशालय स्तर से नियुक्त जिला नोडल अधिकारीगण द्वारा अभियान के दौरान कम से कम दो बार आवंटित जिलों का भ्रमण कर समीक्षा करेंगे। इसके अलावा निदेशक प्रत्येक सप्ताह वीडियो कान्फ्रेंस कर जिला अधिकारियों से अभियान के बारे में विस्तार से समीक्षा की जाएगी।

परीक्षाओं के बीच छात्रावास खाली करने का फरमान

जयपुर @ पत्रिका . परीक्षाओं के बीच कमरा ढूंढे या पढ़ाई करें। यह पीड़ा है झालाना संस्थानिक क्षेत्र स्थित अल्पसंख्यक छात्रावास के विद्यार्थियों की। समाज कल्याण विभाग के तहत गैर सरकारी संगठन के माध्यम से संचालित छात्रावास को 15 मई तक खाली करने का फरमान चार दिन पहले जारी किया। छात्रों ने अधिकारियों से लेकर सामाजिक न्याय मंत्री तक गुहार लगाई, लेकिन राहत नहीं मिली। किराए के भवन में संचालित छात्रावास को खाली नहीं कराने को लेकर छात्र शुक्रवार शाम तक गुहार लगाते रहे।

छात्रों की पीड़ा

नियमानुसार छात्रावास साढ़े दस माह चलना चाहिए। छात्रों के मुताबिक विभाग जुलाई की बजाय सितम्बर तक छात्रावास शुरू करता है, जबकि इसे खाली करने के लिए 15 मई के बाद एक दिन भी नहीं रुकता। विभाग ने इस छात्रावास को राजस्थान विश्वविद्यालय की परीक्षाओं के अनुरूप ही चला रखा है। जबकि यहां के कई छात्र बीटेक, नर्सिंग और अन्य व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में अध्ययनरत है। इनकी मुख्य परीक्षाएं जुलाई तक चलती है।

कहां ढूंढे कमरा

छात्र फजीद खान ने बताया कि कई साथी 5-7 दिन से किराए के लिए कमरा ढूंढ रहे है, नहीं मिल रहा। कोई मिलता भी है तो किराया इतना होता है कि चुका पाना संभव नहीं।